सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली

DEPARTMENT OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI

मद्यपान और नशीले पदार्थ (दवा) दुरूपयोग की रोकथाम के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - 2014

NATIONAL AWARDS FOR OUTSTANDING SERVICES IN THE FIELD OF PREVENTION OF ALCOHOLISM AND SUBSTANCE (DRUG) ABUSE - 2014

प्रशस्तियां
CITATIONS

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली

DEPARTMENT OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI

मद्यपान और नशीले पदार्थ (दवा) दुरूपयोग की रोकथाम के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - 2014

NATIONAL AWARDS FOR OUTSTANDING SERVICES IN THE FIELD OF PREVENTION OF ALCOHOLISM AND SUBSTANCE (DRUG) ABUSE - 2014

प्रशस्तियां
CITATIONS

प्रस्तावना

मद्यपान तथा नशीले पदार्थ (दवा) दुरूपयोग के निवारण के क्षेत्र में किए गए प्रयासों तथा समर्पित सेवाओं का सम्मान करते हुए, भारत सरकार ने विगत वर्ष से उत्कृष्ट संस्थाओं तथा व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करना आरंभ किया है । ये पुरस्कार प्रति वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशीली दवा दुरूपयोग तथा गैर–कानूनी व्यापार विरोध दिवस के अवसर पर दिए जाते हैं और पहला राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह 26 जून, 2013 को हुआ था ।

इन पुरस्कारों की दस श्रेणियां हैं:-

I. संस्थागत श्रेणी

i) मद्यपान और नशीली दवा का सेवन करने वाले लोगों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान के लिए सर्वश्रेष्ठ एकीकृत पुनर्वास केन्द्र (आईआरसीए)

ii) व्यसन निवारण के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान प्रदान करने वाला सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्र (आरआरटीसी)

iii) मद्यपान और नशीले पदार्थ (दवा) दुरूपयोग निवारण के लिए कार्य कर रही सर्वश्रेष्ठ पंचायती राज अथवा नगरपालिका निकाय

iv) मद्यपान और नशीले पदार्थ (दवा) दुरूपयोग निवारण तथा जागरूकता बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाला सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक संस्थान

v) मद्यपान और नशीले पदार्थ (दवा) दुरूपयोग निवारण के लिए उत्कृष्ट योगदान देने वाली सर्वश्रेष्ठ लाभ निरपेक्ष संस्था, जो उपर्युक्त क्र.सं. (i), (ii), (iii) और (iv) के अलावा हो

vi) सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान अथवा नवोन्मेष

vii) सर्वश्रेष्ठ जागरूकता अभियान

II व्यक्तिगत श्रेणी

viii) किसी व्यावसायिक द्वारा उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि

ix) किसी गैर–व्यावसायिक द्वारा उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि

x) पूर्व व्यसनी जिसने जागरूकता सृजन अथवा नशामुक्ति या पुनर्वास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो

वर्ष 2014 के दौरान विभिन्न श्रेणियों में आठ (8) पुरस्कार दिए जा रहे हैं। किसी भी नामिती को (क) सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक संस्था और (ख) सर्वश्रेष्ट जागरूकता अभियान की श्रेणी में उपयुक्त नहीं पाया गया। संस्थागत श्रेणी (iii) के अंतर्गत कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ।

हमें पूरी आशा है कि पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की उपलब्धियां हमें मद्यपान तथा नशीले पदार्थ (दवा) दुरूपयोग के निवारण की दिशा में प्रेरणा और उत्साह प्रदान करेंगी।

INTRODUCTION

In recognition of the efforts and dedicated services rendered in the field of Prevention Of Alcoholism and Substance (Drug) Abuse, the Government of India has instituted National Awards to outstanding institutions and individuals. The awards are given on the occasion of International Day against Drug Abuse and Illicit Trafficking on 26th June every year. The first National Awards Function was held on 26th June, 2013.

THE AWARDS COMPRISE TEN CATEGORIES:-

I. INSTITUTIONAL CATEGORY

(i) Best Integrated Rehabilitation Centre for Addicts (IRCA) for providing rehabilitation services to alcoholics and drug users

(ii) Best Regional Resource and Training Centre (RRTC) providing exemplary contribution in the field of prevention of addiction

(iii) Best Panchayati Raj or Municipal Body working for Prevention of Alcoholism and Substance (Drug) Abuse

(iv) Best Educational Institution doing outstanding work in awareness generation and Prevention of Alcoholism and Substance (Drug) Abuse

(v) Best Non-Profit Institution, other than serial Number (i), (ii), (iii) and (iv) above, with outstanding contribution in Prevention of Alcoholism and Substance (Drug) Abuse

(vi) Best Research or Innovation

(vii) Best Awareness Campaign

II. INDIVIDUAL CATEGORY

(viii) Outstanding Individual Achievement by a Professional

(ix) Outstanding Individual Achievement by a Non-professional

(x) Former Addict, who has done outstanding work in the field of Awareness Generation or De-addiction or Rehabilitation.

During the year, 2014, eight (8) awards are being given in various categories. None of the nominees was found suitable in the category of (a) Best Educational Institution and (b) Best Awareness Campaign. No nominations were received in Institutional Category (iii).

We earnestly hope that the achievements of awardees motivate and inspire to dedicate ourselves to the cause of Prevention of Alcoholism and Substance (Drug) Abuse.

विषय वस्तु

क्रम सं.	श्रेणी	संस्था/व्यक्ति का नाम	पृष्ठ
		I - संस्थागत श्रेणी	
1.	व्यसनियों के लिए सर्वश्रेष्ठ एकीकृत पुनर्वास केन्द्र (आईआरसीए)	टोटल रिस्पांस टू एल्कोहल एंड ड्रग एब्यूज़ (टीआरएडीए) मंगनम डाकघर, कोट्टयम, केरल	1
2.	सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय संसाधन और प्रशिक्षण केन्द (आरआरटीसी)	आरआरटीसी–पश्चिमी क्षेत्र–I, मुक्तांगन मित्र ऑफ पुणे आलंदी रोड शेतिया हास्पिटल के पास, येरवड़ा पुणे, महाराष्ट्र	3
3.	सर्वश्रेष्ठ लाभ निरपेक्ष संस्था	सोशल एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन कंगमोंग, डाकघर नमबोल, इम्फाल वेस्ट, मणिपुर	5
4.	सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान अथवा नवोन्मेष	सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एंड मासेज़ एसपीवाईएम सेन्टर, 111/9, सेक्टर बी 4 के सामने वसन्त कुन्ज, नई दिल्ली	7
		II - व्यक्तिगत श्रेणी	
5.	किसी व्यावसायिक द्वारा उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि	फादर जोसेफ हिलेरी परेरा, कृपा फाउंडेशन माउंट कार्मेल चर्च, 81/ए, चैपल रोड लीलावती हास्पिटल के पास, बांद्रा (पश्चिम) मुम्बई, महाराष्ट्र	9
6.	किसी गैर–व्यावसायिक द्वारा उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि	श्री तुषार संपत 301 लोयड्स चैम्बर्स, 409 मंगलवार पेठ बाबासाहेब सांस्कृतिक भवन के पास पुणे, महाराष्ट्र	11
7.	पूर्व व्यसनी द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि	श्री प्रदीप गोयल, डी–301, एसपीएस II राधे श्याम पार्क, साहिबाबाद, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश	13
8.	पूर्व व्यसनी द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि	श्री बोस्को माइकल डिसूज़ा, कृपा फाउंडेशन माउंट कार्मेल चर्च, 81/ए, चैपल रोड नजदीक लीलावती हास्पिटल बांद्रा (पश्चिम), मुम्बई, महाराष्ट्र	15

CONTENTS

Sl. No.	Category	Name of the Institution/Individual	Page
	I. INSTITUTIONAL CATEGORY		
1.	Best Integrated Rehabilitation Centre for Addicts (IRCA)	Total Response to Alcohol and Drug Abuse (TRADA) Manganam P.O., Kottayam, Kerala	2
2.	Best Regional Resource and Training Centre (RRTC)	RRTC-West Zone-1, Muktangan Mitra Off Pune Alandi Road, Near Shetiya Hospital Yerwada, Pune, Maharashtra	4
3.	Best Non-Profit Institution	Social and Economic Development Organization (SEDO) Kangmong, P.O. Nambol Imphal West, Manipur	6
4.	Best Research or Innovation	Society for Promotion of Youth and Masses SPYM Centre, 111/9,Opposite Sector B 4 Vasant Kunj, New Delhi	8
	II. INDIVIDUAL CATEGORY		
5.	Outstanding Individual Achievement by a Professional	Fr. Joseph Hillary Pereira Kripa Foundation, Mount Carmel Church 81/A Chapel Road, Near Lilavati Hospital Bandra(West), Mumbai, Maharashtra	10
6.	Outstanding Individual Achievement by a Non-professional	Shri Tushar Sampat 301 Lloyds Chambers 409 Mangalwar Peth Near Babasaheb Sanskrutik Bhawan Pune, Maharashtra	12
7.	Outstanding Achievement by a Former Addict	Shri Pradeep Goyal D-301, SPS II, Radhey Shyam Park Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh	14
8.	Outstanding Achievement by a Former Addict	Shri Bosco Michael D'Souza Kripa Foundation, Mount Carmel Church 81/ A, Chapel Road, Near Lilavati Hospital Bandra (West), Mumbai, Maharashtra	16

व्यसनियों के लिए सर्वश्रेष्ठ एकीकृत पुनर्वास केन्द्र (आईआरसीए)

टोटल रिस्पान्स टू एल्कोहल एण्ड ड्रग एब्यूज़
(टीआरएडीए)
मंगनम डाकघर, कोट्टयम, केरल

टोटल रिस्पान्स टू एल्कोहल एण्ड ड्रग एब्यूज़ (टीआरएडीए) केरल में टेम्प्रेंस एण्ड प्रोहिबिशन मूवमेंट के अग्रणी व्यक्तियों द्वारा कोट्टयम, केरल में 1987 में स्थापित एक धर्मार्थ सोसायटी है।

टीआरएडीए एल्कोहल और मद्यपान के व्यसनियों के परामर्श, उपचार और पुनर्वास के क्षेत्र में कार्य कर रही है। इन्होंने 7,500 व्यसनियों का निःशुल्क उपचार किया है और 30,000 से अधिक परिवारों को सहायता प्रदान की है। इन्होंने शराब के दुरूपयोग तथा अन्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के संबंध में विभिन्न जागरूकता सृजन कार्यक्रम किए हैं और एक लाख से अधिक लोगों को सचेत किया है। इन्होंने मद्यपान और एचआईवी/एड्स की रोकथाम के बारे में विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सम्मेलनों का आयोजन किया है । लगभग 16,000 विद्यार्थियों, परामर्शदाताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं आदि को शिक्षित किया है और परामर्श और नशामुक्ति उपचार के क्षेत्र में कार्य करने के लिए 5,000 विद्यार्थियों को विशेष तौर पर प्रशिक्षित किया है।

टीआरएडीए ने देहाती गांवों में उपचार/ नशामुक्ति के लिए लोगों को प्रेरित करने और ऐसे क्षेत्रों, विशेषकर जनजातीय क्षेत्रों जहां ऐसी सेवाओं की आवश्यकता है, में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों की सुविधा मुहैया कराने के लिए शिविर पद्धति को अपनाया है। यह संस्था सामान्य स्थिति को प्राप्त हो रहे व्यसनी व्यक्तियों और उनके परिवारों के लिए मलयालम में "आशा" नामक तिमाही मलयालम पत्रिका का प्रकाशन भी करती है।

टीआरएडीए ने जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि के माध्यम से केरल के एर्नाकुलम और कोट्टयम जिलों में 10–10 गांवों में "कम्यूनिटी बेस्ड हॉलिस्टिक एप्रोच टू एल्कोहल एण्ड ड्रग्स" नामक तीन वर्षीय परियोजना का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया है तथा केरल के अल्पपुझा जिलों के गांवों में सूनामी से प्रभावित लोगों के लिए प्रशामक देखभाल और मनो–सामाजिक पुनर्वास कार्यक्रमों का कार्यान्वयन भी किया है।

टीआरएडीए, कोट्टयम, केरल को मद्यपान और मादक द्रव्य व्यसन की रोकथाम के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य को मानते हुए, व्यसनियों के लिए सर्वश्रेष्ठ एकीकृत पुनर्वास केन्द्र का पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

BEST INTEGRATED REHABILITATION CENTRE FOR ADDICTS (IRCA)

Total Response to Alcohol and Drug Abuse (TRADA)

Manganam P.O., Kottayam, Kerala

Total Response to Alcohol and Drug Abuse (TRADA) is a charitable society established in 1987 at Kottayam, Kerala by the pioneers of Temperance and Prohibition Movement in Kerala.

TRADA is working in the field of counselling, treatment and rehabilitation of Alcohol and Drug Addicts. Since inception, it has provided free treatment to 7,500 addicts and assisted more than 30,000 families. It has undertaken various awareness generation programmes on ill-effects of Alcohol abuse and other addictive substances and conscientised more than one lakh people about the ill-effects of alcoholism and other addictive substances. It has organized various national and state conferences on substance abuse and HIV/AIDS prevention, educating nearly 16,000 students, counsellors, social workers etc. and has specifically trained 5,000 students to work in the field of counselling and de-addiction treatment.

TRADA has adopted a camp approach to motivate people to undergo treatment/ de-addiction in rural villages and provides free medical camps at areas requiring such services especially in Tribal areas. It also publishes a quarterly journal "ASHA" in Malayalam meant for the recovering addicts and their families.

It has successfully implemented a three-year project "Community Based Holistic Approach to Alcohol and Drugs" in 10 villages each of Ernakulam and Kottayam districts of Kerala through awareness and training programmes etc. and has also implemented Palliative Care and Psycho-social rehabilitation programmes for the victims of Tsunami affected villages of Alappuzha district of Kerala.

Acknowledging their outstanding work in the field of Prevention of Alcohol and Drug Addiction, the award for the Best Integrated Centre for Rehabilitation of Addicts is conferred on TRADA, Kottayam, Kerala.

सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्र (आरआरटीसी)

आरआरटीसी–पश्चिमी क्षेत्र–I, मुक्तांगन मित्र

शेतिया अस्पताल के समीप, येरवडा
पुणे, महाराष्ट्र

मुक्तांगन मित्र, पुणे, जिसे 29 अगस्त, 1986 को स्थापित किया गया, "ड्रग डिमांड रिडक्शन–ट्रीटमेंट एण्ड रिहेबिलिटेशन ऑफ सब्सटेंस डिपेंडेन्टस एण्ड देयर फैमिलीज" के क्षेत्र में कार्यरत अग्रणी संगठन रहा है।

मुक्तांगन मित्र को छत्तीसगढ़, गोवा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र राज्यों एवं दादरा और नागर हवेली एवं दमन व द्वीव संघ शासित प्रदेशों में व्यसनी व्यक्तियों के लिए 93 एकीकृत पुनर्वास केन्द्रों के मार्गदर्शन तथा तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वर्ष 1999 में क्षेत्रीय संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्र, पश्चिमी क्षेत्र–1 के रूप में निर्दिष्ट किया गया था।

मुक्तांगन मित्र, सेवा प्रदाताओं के लिए विभिन्न प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और स्थानीय एवं राज्य स्तरों पर कार्य–स्थल रोकथाम कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है। यह मादक द्रव्यों के दुरूपयोग के कुप्रभावों के संबंध में सूचना का प्रसार करने और इसकी समस्या से निपटने के लिए राज्य की पुलिस, समाज कल्याण विभाग, सीआरपीएफ, एंटी नारकोटिक्स सेल, नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो, शैक्षिक संस्थानों तथा इसके साथ–साथ पंचायती राज संस्थानों के साथ घनिष्ठ सहयोग में कार्य करता रहा है।

मुक्तांगन मित्र, विगत 14 वर्षों से औसतन प्रतिवर्ष 20 कार्यशालाओं, पोस्टरों, पुस्तकों तथा 150 चर्चाओं एवं व्याख्यानों के माध्यम से "मादक द्रव्य दुरूपयोग निवारण" का संदेश फैला रहा है। मादक द्रव्यों के दुरूपयोग तथा एचआईवी/एड्स के बचाव से संबंधित विषयों पर उनके द्वारा अंग्रेजी, हिंदी के साथ–साथ स्थानीय भाषा में तैयार स्रोत सामग्री, पुस्तिकाएं और सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण सामग्रियों से पश्चिमी क्षेत्र में संदेश पहुंचाने में सहायता मिली है।

मुक्तांगन मित्र, पुणे के उत्कृष्ट कार्य और पश्चिमी प्रदेश में मद्यपान और मादक द्रव्यों के व्यसन की रोकथाम के क्षेत्र में योगदान को महत्व देते हुए सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्र के पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

BEST REGIONAL RESOURCE AND TRAINING CENTRE (RRTC)

RRTC-West Zone-1, Muktangan Mitra
Near Shetiya Hospital, Yerwada
Pune, Maharashtra

Muktangan Mitra, Pune, established on August 29, 1986 has been a pioneer organization working in the field of "Drug Demand Reduction - treatment and rehabilitation of substance dependants and their families".

Muktangan Mitra was designated as a Regional Resource and Training Centre, West Zone-1 in 1999 by the Ministry of Social Justice & Empowerment for guiding and providing technical support to 93 Integrated Rehabilitation Centres for Addicts in the States of Chhattisgarh, Goa, Madhya Pradesh, Maharashtra, and Union Territories of Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu.

Muktangan Mitra has been organising various training and capacity building programmes for Service Providers and Work Place Prevention Programmes at local and state levels. It has been working in close collaboration with State Police, Social Welfare Department, CRPF, Anti Narcotics Cell, Narcotics Control Bureau, Educational Institutes as well as Panchayati Raj Institutions for disseminating information on ill-effects of drug abuse and to combat the problem of drug abuse.

Muktangan Mitra has been spreading the message of 'Drug Abuse Prevention' through workshops, counselling, posters, booklets and lectures for last 14 years with an average of over 20 workshops and 150 talks and lectures per year. The resource material, manuals, Information, Education and Communication materials developed by it on issues relating to drug abuse and HIV/AIDS prevention in English, Hindi and also in local language have facilitated the reach of messages across the western region on ill effects of drug abuse.

The award for the best Regional Resource and Training Centre is conferred on Muktangan Mitra, Pune in recognition of their outstanding work and contribution in the field of Prevention of Alcohol and Drug Addiction in the western region.

सर्वश्रेष्ठ लाभ निरपेक्ष संस्था

सोशल एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन

कंगमोंग, डाकघर नमबोल, इम्फाल वेस्ट, मणिपुर

सोशल एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन (एसईडीओ), मणिपुर के कंगमोंग गांव में अवस्थित एक लाभ निरपेक्ष संगठन है जिसे वर्ष 1986 में स्थापित किया गया था। आसपास के गांवों में शराब और नशीले पदार्थों की सुलभता और उपलब्धता एक बड़ी समस्या थी जिससे परिवारों में बिखराव और अव्यवस्था पनप रही थी। सोशल एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन, नशीले पदार्थों और शराब की रोकथाम और उन महिलाओं और विधवाओं को आजीविका मुहैया कराने के मूल प्रयोजन से अस्तित्व में आया, जिन्होंने कष्ट झेला क्योंकि उनके पति मद्यपान और नशीले पदार्थ के दुरूपयोग से पीड़ित थे।

यह संगठन चालीस स्व–सहायता समूहों के माध्यम से कार्य करता है, जिसमें शराब और नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में किशोरों, युवाओं, वृद्धजनों व उनके परिवारों को शिक्षित करने के लिए, मुख्यतः आठ जिलों को कवर करने के लिए महिलाओं को शामिल किया गया है। ये महिला स्व–सहायता समूह, सिल्क लपेटने और कताई करने, खाद्य प्रसंस्करण आदि में कार्य कर दिन के समय के दौरान आय सृजन के कार्य में लगे हैं। ये समूह मद्यपान से जुड़ी गतिविधियों पर नियंत्रण करने के लिए, रात्रि के समय चौकसी भी करते हैं और इन्हें "मेयरा पाईबिस" अर्थात महिला मशाल वाहक के नाम से जाना जाता है। इस प्रकार, इस संगठन ने मणिपुर के दूर–दराज़ के भागों में महिलाओं को सशक्त करने और शराब एवं नशीले पदार्थों की समस्या के प्रति संरक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अपने प्रतिबद्ध प्रयासों द्वारा, इस संगठन ने इस प्रदेश में संघर्षरत बहुत सी महिलाओं की जिंदगी की कायापलट कर दी है और साथ ही सामुदायिक समूहों, नीति निर्माताओं और समर्थकों के बीच काफी अधिक विश्वसनीयता स्थापित की है।

सोशल एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन, कंगमोंग, मणिपुर को मद्यपान और नशीले पदार्थों के व्यसन के कारण परिवारों में विघटन के संभव कारण के उन्मूलन और मणिपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में समाज को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से उन्नत बनाने के लिए उनके सतत प्रयासों को स्वीकार करते हुए सर्वश्रेष्ठ लाभ निरपेक्ष संस्था का पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

BEST NON PROFIT INSTITUTION

Social and Economic Development Organization

Kangmong, P.O. Nambol, Imphal West, Manipur

Social and Economic Development Organization (SEDO), a Non Profit Organization located at Kangmong village of Manipur was established in the year 1986. Easy accessibility and availability of alcohol and drugs in the neighbouring village had been a huge problem leading to disintegration and chaos in the families. SEDO came into being with the sole purpose of prevention and control of drugs and alcohol and for providing livelihood to those women and widows who suffered since their husbands were victims of alcohol and drug abuse.

The organization functions through forty Self Help Groups primarily consisting of women to cover eight villages and educates the adolescents, youth, aged and families about the ill-effects of alcohol and drugs. These Self Help Groups of women are involved in income generating activities during the daytime by engaging in silk reeling and weaving, food processing etc. They also keep vigil during the night time around the neighbouring villages to control alcohol related activities and are known by the name 'Meira Paibis' i.e. women torch bearers. Thus, the organization has played a vital role in empowering women and providing security against the problem of alcohol and drug abuse in the remote parts of Manipur.

By their committed efforts, the organization has transformed the lives of many struggling women in this region and has also established a high degree of credibility among the community groups, policy makers and supporters.

The award for the best Non Profit Institution is conferred on the Social and Economic Development Organization, Kangmong, Manipur in recognition of their sustained efforts to root out possible cause of disintegration of families due to Alcoholism and Drug Addiction and bringing about socio economic improvement of the society in the rural areas of Manipur.

सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान अथवा नवोन्मेष

सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एण्ड मासेज़

एसपीवाईएम केन्द्र, 111/9, सैक्टर बी 4 के सामने
वसंत कुंज, नई दिल्ली

सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एण्ड मासेज़ (एसपीवाईएम) की स्थापना कैंपस में मद्यपान के मुद्दे के समाधान के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रतिबद्ध विद्यार्थियों के समूह द्वारा 1985 में की गई थी। यह संगठन वर्तमान में अत्यधिक संवेदनशील जन समूहों जैसे बच्चों, इंजेक्शन से नशीली दवा लेने वालों, युवाओं, ट्रक चालकों, बेघर लोगों आदि के साथ कार्य कर रहा है।

वर्ष 2011 में, एसपीवाईएम ने विशेषज्ञता प्राप्त नशामुक्ति और पुनर्वास केन्द्र की स्थापना की है, जो ऐसे किशोरों के लिए, जो मद्यपान पर आश्रित हैं व कानून के विरोधी हैं, के उज्जवल भविष्य को सुरक्षित करने के लिए मानववादी और सर्वांगीण पैकेज के कार्यान्वयन के लिए दिल्ली सरकार के साथ भागीदारी में कार्य कर रहा है। यह संगठन इन किशोरों को रोगनिरोधक, आरोग्यकारी और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करता है। इसने किशोरों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर और उनके साक्षरता कौशल में सुधार करके, उन्हें नशीले पदार्थ दुरूपयोग और अपराध में शामिल होने से रोकने में काफी अधिक योगदान किया है। इस केन्द्र का प्रबंधन पीअर एजुकेटर्स द्वारा किया जाता है जिन्होंने पुनर्वास पूरा कर लिया है और जिन्होंने किशोरों के लिए आदर्श मॉडल के तौर पर रहने का विकल्प लिया है और इस प्रकार उनके स्वाभिमान एवं विश्वास को बढ़ाया है।

केन्द्र की स्थापना के समय से, 459 किशोर अपराधियों का उपचार किया जा चुका है जिनमें से 60 प्रतिशत का पढ़ने–लिखने के कौशल में सुधार हुआ है, 39 प्रतिशत ने व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है और 24 प्रतिशत को लाभकारी रोजगार भी मिला है।

एसपीवाईएम की संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद के साथ विशेष परामर्शकारी हैसियत है और यह माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय की किशोर न्याय समिति, इंटरनेशनल ड्रग पॉलिसी कन्सोर्टियम की संचालन समिति और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के तकनीकी संसाधन समूह का सदस्य है।

एसपीवाईएम को नशीले पदार्थों की रोकथाम के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए कई गरिमापूर्ण पुरस्कारों जैसे वर्ष 1999 में दिल्ली गौरव पुरस्कार, 2001 में लंदन में राष्ट्रमंडल युवा पुरस्कार और 2001–02 में युवा मामले मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से भी नवाज़ा गया है।

सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ यूथ एण्ड मासेज़ नई दिल्ली को किशोरों के लिए संगठन द्वारा उठाए गए नवीन कदमों और उन्हें पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान अथवा नवोन्मेष पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

BEST RESEARCH OR INNOVATION

Society for Promotion of Youth and Masses

SPYM Centre, 111/9, Opposite Sector B 4
Vasant Kunj, New Delhi

The Society for Promotion of Youth and Masses (SPYM) was established in 1985 by a group of committed students from Jawaharlal Nehru University to address the issues of drug abuse in the campus. The organization is currently working with highly vulnerable groups such as children, Injecting Drug Users, youth, truckers, homeless etc.

In the year 2011, SPYM established a specialized Drug De-addiction and Rehabilitation Centre–working in partnership with Delhi Government to implement a humane and holistic package to secure a brighter future for juveniles who are dependent on drugs and in conflict with law. The organisation provides preventive, curative and rehabilitative services to these adolescents. By offering the juveniles vocational training and improving their literacy skills, it has contributed significantly in preventing them from getting involved in drug abuse and crime. The Centre is managed by peer educators, who have completed rehabilitation and opt to stay on as role models for the juveniles, thus boosting their self esteem and confidence.

Since the establishment of the Centre, 459 juvenile offenders have undergone treatment, of which 60% improved their reading and writing skills, 39% received vocational training and 24% secured gainful employment also.

SPYM has a special consultative status with the Economic and Social Council of the United Nations and is a member of the Juvenile Justice Committee of Hon'ble High Court of Delhi, Steering Group of International Drug Policy Consortium and Technical Resource Group of National AIDS Control Organization.

SPYM has also been felicitated by prestigious awards such as Delhi Gaurav Award in the year 1999, Commonwealth Youth Award at London in 2001 and National Youth Award by the Ministry of Youth Affairs, Government of India in 2001-02 for their significant contribution in the field of Drug Abuse Prevention.

The award for the best Research or Innovation is conferred on the Society for Promotion of Youth and Masses, New Delhi in recognition of innovative steps taken by the organization for juveniles and in providing rehabilitation services to them.

किसी व्यावसायिक द्वारा उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि

फादर जोसेफ हिलेरी परेरा

कृपा फाउंडेशन, माउंट कार्मेल चर्च, 81/ए, चैपेल रोड
लीलावती अस्पताल के पास, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई, महाराष्ट्र

फादर जोसेफ हिलेरी परेरा, जो मुंबई विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र और मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर हैं, मिनेसोटा, यूएसए से प्रमाणित परामर्शदाता हैं, ने बांद्रा, मुंबई में वर्ष 1981 में चर्च के परिसर में कृपा फाउंडेशन नामक एक गैर सरकारी संगठन स्थापित किया और 32 वर्ष से अधिक समय से वह नशीले पदार्थों की रोकथाम और मांग में कमी के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

कृपा फाउंडेशन की शुरूआत तीन आवास रोगियों, एक पादरी, एक चिकित्सक और सामान्य हो रहे एक शराबी से हुई थी। फादर जोसेफ हिलेरी परेरा के दिशा–निर्देशन और परामर्श से, यह फाउंडेशन नशामुक्ति और नशीले पदार्थों के व्यसनियों के पुनर्वास हेतु देश के 12 राज्यों में 18 केन्द्रों के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। वर्तमान में, कृपा फाउंडेशन के विभिन्न केन्द्रों में एक समय में 450 व्यक्तियों के लिए भर्ती की सुविधाएं हैं।

अपनी दूरदर्शी दृष्टि के जरिये, फादर जोसेफ हिलेरी परेरा ने इसके बाद अन्य संघटकों जैसे स्ट्रीट चिल्ड्रन प्रोजेक्ट, कर्मचारी सहायता कार्यक्रम, ड्राप इन सेंटर, फैमिली थैरेपी कार्यक्रम, एचआईवी/एड्स की देखभाल हेतु व्यापक समुदाय परियोजनाओं से अपनी गतिविधियों के क्षेत्र को अधिक व्यापक बनाया। कृपा फाउंडेशन यूनाइटेड नेशंस आफिस आन ड्रग्स एंड क्राइम, नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइज़ेशन, नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो के साथ–साथ विभिन्न राज्य विभागों आदि के साथ साझेदार भी है और परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है।

फादर जोसेफ हिलेरी परेरा को व्यसन, जन और औद्योगिक स्वास्थ्य, योग और ध्यान के संबंध में 18 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों, प्रस्तुतियों का श्रेय है और उन्होंने व्यसन, योग, तनाव प्रबंधन और ध्यान के संबंध में 1981 से लेकर अब तक 37 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं का आयोजन किया है।

फादर जोसेफ परेरा को वर्ष 2009 में भारत सरकार द्वारा सीमांत जनसंख्या को सामाजिक सेवाओं के लिए गौरवमयी पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें अन्य विभिन्न पुरस्कारों व उपाधियों से भी नवाज़ा गया है।

फादर जोसेफ हिलेरी परेरा, मुंबई को विगत 32 से भी अधिक वर्षों में मद्यपान और नशीले पदार्थों के सेवन की रोकथाम के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट और अनुकरणीय सेवाओं को महत्व देते हुए व्यावसायिक व्यक्ति द्वारा उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि का पुरस्कार दिया जाता है।

OUTSTANDING INDIVIDUAL ACHIEVEMENT BY A PROFESSIONAL

Fr. Joseph Hillary Pereira

Kripa Foundation, Mount Carmel Church, 81/A Chapel Road
Near Lilavati Hospital, Bandra (West), Mumbai, Maharashtra

Fr. Joseph Hillary Pereira, who holds a Masters Degree in Philosophy and Psychology from the University of Mumbai is a certified Counsellor from Minnesota, USA, established a Non Governmental Organization named Kripa Foundation in the year 1981 in a church compound in Bandra, Mumbai and has been working in the field of Drug Prevention and Demand Reduction for over 32 years.

Kripa Foundation started with three resident patients, a priest, a doctor and a recovering alcoholic. Under the guidance and mentorship of Fr Joseph Pereira, it is now rendering services through 18 centres in 12 states across the country for de-addiction and rehabilitation of drug addicts. Presently, Kripa Foundation has admission facilities for 450 individuals at a time in its various centres.

Through his visionary approach, Fr. Joseph Pereira further broadened his area of activities by including other components such as Street Children project, Employee Assistance Programme, Drop in Centre, Family Therapy Programme, Comprehensive Community Projects for HIV/AIDS Care etc. Kripa Foundation also partners with United Nations Office on Drugs and Crime, National AIDS Control Organization, Narcotics Control Bureau, various State Departments etc. and offers consultative services.

Fr. Joseph Pereira has to his credit over 18 national and international publications and presentations on Addiction, Public and Industrial Health, Yoga and Meditation and has organized over 37 national and international workshops since 1981 related to Addiction, Yoga, Stress Management and Meditation.

Fr. Joseph Pereira was conferred with the prestigious Padmashri Award for Social Services to Marginalized population by the Government of India in the year 2009. He has been showered with various other awards and accolades also.

The award for Outstanding Individual Achievement by a Professional is conferred on Fr. Joseph Hillary Pereira, Mumbai in recognition of his outstanding and exemplary services in the field of Prevention of Alcoholism and Drug Abuse for the last 32 years.

किसी गैर–व्यावसायिक द्वारा उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि

श्री तुषार संपत

301 लोयड्स चैम्बर्स, 409 मंगलवार पेठ
बाबासाहेब सांस्कृतिक भवन के पास, पुणे, महाराष्ट्र

6 जून,1960 को बड़ौदा में जन्में श्री तुषार संपत पुणे विश्वविद्यालय से बी. कॉम हैं लेकिन नशीले पदार्थों की लत की वजह से वह अपनी चार्टेड एकाउंटेंसी की पढ़ाई पूरी नहीं कर सके थे। आपके जीवन में 18 से 35 वर्ष की उम्र सबसे अंधकारमय अध्याय था। आपको प्रादेशिक मानसिक रोग अस्पताल में भर्ती किया गया, आपकी जेब में कोई पैसा नहीं था, आप फुटपाथ पर सोते थे और निराश थे किंतु आपने जीवन के निजी, आध्यात्मिक, सामाजिक तथा व्यावसायिक सभी क्षेत्रों को सामान्य बनाने के लिए अपना कायापलट किया। मानसिक रोग अस्पताल के संवासी होते हुए आपने अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की और पुनर्वास की आरंभिक अवधि में आपने कम्प्यूटर और इंटरनेट सीखा।

सामाजिक कलंक और रोजगार के अवसरों की कमी से जूझते हुए आपने स्व–रोजगार का जज्बा दिखाया और पुनर्वास कर रहे लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए। आपने आगे बढ़कर, पुणे में एक न्यास–विकिरण सूचना प्रसार फाउंडेशन का सृजन किया और एक समर्थन समूह– addictionsupport.aarogya.com बनाया। आपने ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचने के लिए इस सहायता समूह को बहुभाषी बनाने में अभी तक काफी अधिक राशि का निवेश किया है । इस सहायता समूह ने असंख्य लोगों को सामान्य होने में मदद की है और इसे नॉसकोम फाउंडेशन द्वारा मान्यता प्रदान की गई है और 2009 में सामाजिक नवप्रवर्तन सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया है।

श्री तुषार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के साथ भी जुड़े हुए हैं और आपने मंत्रालय के लिए अर्धवार्षिक रिपोर्टिंग प्रणाली और नशीले पदार्थों के दुरूपयोग की वैब आधारित मानीटरिंग प्रणाली विकसित की है एवं कई गैर सरकारी संगठनों को प्रशिक्षित किया है। आपने एक अनूठी व्यावसायिक पुनर्वास पहल – 'उत्थान' की अवधारणा विकसित की और उसका कार्यान्वयन किया जिसे महाराष्ट्र के समाज कल्याण विभाग द्वारा सराहा गया था। आपके कार्य ने यूनाइटेड नेशंस आफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (यूएनओडीसी) का ध्यान आकर्षित किया और आप यूएनओडीसी, दक्षिण एशिया के परामर्शदाता नियुक्त किए गए थे। वस्तुतः, पोस्टरों व पोस्ट कार्डों के रूप में यूएनओडीसी ने आपकी बहाली के प्रमाण को उजागर किया।

वर्तमान में, श्री तुषार टी एज साल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और विकिरण सूचना प्रसार फाउंडेशन के प्रबंधन ट्रस्टी हैं।

श्री तुषार संपत, पुणे को मद्यपान और नशीले पदार्थों के दुरूपयोग की रोकथाम के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं को अंगीकार करते हुए किसी गैर–व्यावसायिक व्यक्ति द्वारा उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि का पुरस्कार दिया जाता है।

OUTSTANDING INDIVIDUAL ACHIEVEMENT BY A NON PROFESSIONAL

Shri Tushar Sampat
301 Lloyds Chambers, 409 Mangalwar Peth
Near Babasaheb Sanskrutik Bhawan, Pune, Maharashtra

Shri Tushar Sampat, born on 6th June, 1960 in Baroda is a graduate in B.Com from Pune University but could not complete the Chartered Accountancy course on account of drug addiction. The period from age 18 to 35 was the darkest chapter of his life. He was admitted in the Regional Mental Hospital, was penniless, slept on footpaths and hopeless, but transformed himself to recover in all areas of life – personal, spiritual, social and professional. As an inmate of the mental asylum, he completed his graduation and learnt Computer and Internet during early recovery period.

Undaunted by social stigma and lack of employment opportunities, he exhibited the courage to employ himself and providing employment opportunities to people in recovery. He went on to create a Trust–The Vikiran Information Dissemination Foundation in Pune and created a support group- addictionsupport.aarogya.com. He has invested a fairly large sum of money in making this support group multi-lingual so as to reach people in rural areas. The support group has helped numerous people in recovery and has been recognized by the NASSCOM Foundation with the Social Innovation Honours Award in 2009.

Shri Tushar has been associated with the Ministry of Social Justice and Empowerment as well and has developed a web based Half Yearly Reporting System and a Drug Abuse Monitoring System for the Ministry and trained many NGOs. He conceptualized and implemented a unique vocational rehabilitation initiative- 'Utthan' which was appreciated by the Social Welfare Department of Maharashtra. His work caught the attention of United Nations Office on Drugs and Crime(UNODC) and was appointed a consultant in UNODC, South Asia. In fact, UNODC showcased his recovery testimony worldwide in the form of posters and post cards.

At present, Shri Tushar is a director of T Edge Solutions Pvt Ltd and Managing Trustee of The Vikiran Information Dissemination Foundation.

The award for Outstanding Individual Achievement by a Non Professional is conferred on Shri Tushar Sampat, Pune in recognition of his outstanding services in the field of Prevention of Alcoholism and Substance Abuse.

पूर्व व्यसनी द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि

श्री प्रदीप गोयल

डी–301, एस.पी.एस. II, राधे श्याम पार्क
साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

मध्य प्रदेश के जिला रीवा में जन्में श्री प्रदीप कुमार दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य स्नातक हैं। आप मद्यपान और नशीली दवाओं के व्यसनी थे। आपने इन दोनों व्यसनों से 21 वर्षों से अधिक समय से मुक्ति पा ली है और अब आप एक सामान्य जीवन जी रहे हैं। श्री गोयल ने मादक द्रव्य दुरुपयोग निवारण के क्षेत्र में कार्य करने की भावना और प्रेरणा से गाजियाबाद में एक नशा–मुक्ति और पुनर्वास केंद्र स्थापित किया है जो व्यसनियों को अंतरंग, बहिरंग और अनुवर्ती सेवाएं प्रदान करता है।

श्री प्रदीप गोयल ने 1994–1999 के दौरान दिल्ली में तिहाड़ जेल में बंद व्यसनियों के वरिष्ठ परामर्शदाता के रूप में कार्य किया और उनके लिए पुनर्वास कार्यक्रम आरंभ किया। कारागार के किशोर कैदियों के परियोजना प्रभारी के रूप में, आपने नशीली दवा के दुरूपयोग के कारण ऐसे बच्चों में नकारात्मकता को कम करने के लिए व्यवहार्य और प्रेरक थेरेपी का संचालन किया।

इसके अलावा, श्री गोयल ने मादक द्रव्य दुरुपयोग निवारण के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान और क्षेत्रीय संसाधन प्रशिक्षण केंद्रों के प्रयासों में भी अपना सहयोग दिया है।

वर्तमान में आप विकल्प नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र, गाजियाबाद के ट्रस्टी हैं।

श्री प्रदीप गोयल, निवासी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को व्यसन से पूरी तरह मुक्त होने, 21 वर्षों से भी अधिक समय से मादक द्रव्य से दूर रहने और मद्यपान और मादक द्रव्य दुरुपयोग निवारण के क्षेत्र में ऐसा अनुकरणीय कार्य करने के लिए पूर्व व्यसनी द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किया जाता है ।

OUTSTANDING ACHIEVEMENT BY A FORMER ADDICT

Shri Pradeep Goyal
D-301, SPS II, Radhey Shyam Park
Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh

Shri Pradeep Goyal, born on 6th January,1955 in district Rewa, Madhya Pradesh is a Graduate in Commerce from University of Delhi. He was an alcoholic and a drug addict who has abstained from the addiction for more than 21 years and is now leading a normal life. With a desire and motivation to work in the field of drug abuse, Shri Goyal has set up a De-addiction and Rehabilitation Centre at Ghaziabad which provides indoor, outdoor and follow up services to drug addicts.

During the year 1994-1999, Shri Pradeep Goyal worked as senior counsellor with addicts who were lodged in Tihar jail in Delhi and started a rehabilitation programme for them. As a Project Incharge for adolescents in jail, he conducted behavioural and motivational therapies to reduce negativity in such children on account of drug abuse.

In addition, Shri Goyal has also supported the efforts of National Institute of Social Defence under the Ministry of Social Justice and Empowerment and Regional Resource Training Centres in conducting training programmes in the field of drug abuse prevention.

Presently, he is the trustee of Vikalp De-addiction and Rehabilitation Centre, Ghaziabad.

The award for the Outstanding Achievement by a former addict is conferred on Shri Pradeep Goyal, Ghaziabad, Uttar Pradesh for successfully coming out of addiction, remaining abstinent for more than 21 years from drug abuse and having done exemplary work in the field of Prevention of Alcoholism and Drug Abuse.

पूर्व व्यसनी द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि

श्री बोस्को माइकल डिसूज़ा

कृपा फाउंडेशन, माउंट कार्मेल चर्च
81/ए, नजदीक लीलावती अस्पताल, बांद्रा(पश्चिम), मुंबई, महाराष्ट्र

29 सितंबर, 1958 को मुंबई में जन्में श्री बोस्को माईकल डिसूज़ा समाज शास्त्र में स्नातक और मानव संसाधन में विशेषज्ञता सहित व्यवसाय और प्रशासन में स्नातकोत्तर हैं। एक व्यसनी होने के बावजूद आप 1992 से मादक द्रव्य–मुक्त जीवन यापन कर रहे हैं। श्री डिसूज़ा अब एक गैर सरकारी संगठन, कृपा फाउंडेशन के साथ एक परामर्शदाता और कार्यक्रम निदेशक के रूप में संबद्ध हैं। आप धारावी (एशिया की दूसरी सबसे बड़ी मलिन बस्ती) में मादक द्रव्य प्रयोक्ताओं के लिए यूनाइटेड नेशंस आफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (यूएनओडीसी) कार्यक्रम अवस्थापित करने में सक्रिय रहे और वासाई क्षेत्र एड्स नियंत्रण सोसायटी को स्थापित किया तथा 3500 से अधिक व्यसनियों के साथ रहे, उन्हें पुनर्वासित करने के प्रयास किए और उनको समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया। आप गत सात वर्षों से एचआईवी/एड्स ग्रस्त लोगों की देखभाल करने और उनकी मृत्यु के उपरांत उनका सम्मानजनक दाह–संस्कार करते रहे हैं।

श्री डिसूज़ा, समुदाय, निगम, जनजातीय क्षेत्रों, गैर–सरकारी संगठनों और शैक्षिक संस्थानों जैसे सभी स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते रहे हैं, कृपा फाउंडेशन के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है, इसकी वैबसाइट तैयार की है, शैक्षिक संसाधन सामग्री तैयार की है और इस संगठन के सात नए केन्द्रों को अन्य राज्यों में स्थापित करने में भी सक्रिय रहे।

श्री माइकल डिसूज़ा, निवासी बान्द्रा (पश्चिम), मुंबई को मादक द्रव्य दुरूपयोग से 22 वर्षों से भी अधिक समय तक मुक्त रहने और मद्यपान तथा मादक द्रव्य दुरूपयोग निवारण के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य के लिए पूर्व व्यसनी द्वारा उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

OUTSTANDING ACHIEVEMENT BY A FORMER ADDICT

Shri Bosco Michael D'Souza

Kripa Foundation, Mount Carmel Church, 81/ A, Chapel Road, Near Lilavati Hospital, Bandra (West), Mumbai, Maharashtra

Shri Bosco Michael D'Souza, born on 29th September, 1958 in Mumbai is a graduate in Arts with Sociology and Post Graduate in Business Administration with specialization in Human Resources. Although an addict, he is leading a drug free life since 1992. Shri D'Souza has been associated with Kripa Foundation, a Non Governmental Organization as Counsellor and Programme Director. He was instrumental in setting up a programme of the United Nations Office on Drugs and Crime(UNODC) for Drug users in Dharavi (Asia's second largest slum) and Vasai Region AIDS Control Society and has lived with more than 3500 addicts, made efforts to rehabilitate and bring them into the mainstream of society. He has been caring and looking after people living with HIV/AIDS for seven years including giving them a decent burial when dead.

Shri D'Souza has been conducting awareness programmes at all levels–community, corporate, tribal areas, NGOs and educational institutes and has trained the staff of Kripa Foundation, developed its website, academic resource material and was instrumental in setting up seven new centres in other States by this organization.

The Award for Outstanding Achievement by a former Addict is conferred on Shri Bosco Michael D'Souza, Bandra (West), Mumbai for remaining abstinent for more than 22 years from drug abuse and having done exemplary work in the field of Prevention of Alcoholism and Drug Abuse.